8:09 0.00 KB/S 44
Epaper
epaper.ajitsamachar.com

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन

गोहाना, 11 सितम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में आज छात्रा कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह ने दीक्षारम्भ कार्यक्रम 2025 का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुदेश ने की, जबकि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी व व्यवसायी श्रीपवन जिंदल ने छात्राओं को संबोधित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 से सम्मानित शिक्षिका सुनीता ढुल ने शिरकत की। अपने संबोधन में पवन जिंदल ने कहा कि भारत की संस्कृति बहुत श्रेष्ठ है, यह ऋषि मुनि और गुरुओं का देश है। उन्होंने कहा कि बच्चे की पहली गुरु मां होती है। परिवार से संस्कार खत्म होते जा रहे हैं जो हमारी धरोहर थी। नैतिक शिक्षा गुरुओं से मिलती थी जो आज बिल्कुल खत्म हो रही है। गुरु शिष्य परंपरा श्रेष्ठ परंपरा थी। मां और गुरु सबसे श्रेष्ठ होते थे। उन्होंने कहा कि आज इस परंपरा को फिर से उठाना होगा। सुनीता ढुल ने छात्राओं से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि रास्ते से न भटके, अपने शिक्षकों के बताए मार्ग पर चलें। कुलपति प्रोफेसर सुदेश ने उन्होंने छात्राओं को आश्वस्त किया कि केवल विषय संबंधित शिक्षा ही नहीं अपितु संस्कारित व कौशल युक्त शिक्षा के लिए हम प्रतिबद्ध है।

दीक्षारम्भ कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए पवन जिंदल व कुलपति प्रो. सुदेश।

सैकड़ों एकड़ जमीन समा गई यमुना में, किसानों ने मुआवजे की मांग

यमुनानगर/जगाधरी, 11 सितम्बर (नेपाल सिंह/ सुनील): भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में रादौर क्षेत्र के गांव नकुम्भ के ग्रामीणों ने जिला उपायुक्त पार्थ गुप्ता के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम यमुना नदी में बाढ़ के कारण समाई सैकड़ो एकड़ भूमि के मुआवजे को लेकर मांग पत्र दिया। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया है कि गांव की लगभग 200 एकड़ भूमि जिसमें खड़ी फसल पॉपुलर, गन्ना, ट्युबवैल, बिजली के कनेक्शन और मकान सब यमुना नदी में समा गए। उन्होंने बताया कि यह कृषि मंत्री के क्षेत्र का गांव है लेकिन आज तक कोई भी अधिकारी गांव में जायजा लेने तक नहीं गया।

कभी भी बोझ नहीं होती, दो घरों को संवारती हैं बेटियां

गोहाना मुद्रिका, 11 सितंबर : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में गुरुवार को छात्रा कल्याण अधिष्ठाता प्रो श्वेता सिंह द्वारा दीक्षारम्भ कार्यक्रम 2025 का आयोजन किया गया। अध्यक्षता विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने की। मुख्य अतिथि समाजसेवी पवन जिंदल और विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 से सम्मानित शिक्षिका श्रीमती सुनीता ढुल रहे।

सुनीता ढुल ने कहा कि बेटियां कभी भी बोझ नहीं होती, बेटियां दो घरों को संवारती हैं। उन्होंने बेटियों से आग्रह किया एकाग्रता के साथ लक्ष्य पर फोकस करके मेहनत करें, सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षक का दायित्व बहुत बड़ा होता है, केवल शिक्षा ही नहीं देनी अपितु बच्चों के अंदर छुपी प्रतिभा को पहचान करना और उसे निखारना शिक्षक का मूल दायित्व है।

सुनीता दल ने कहा कि छात्राएं अपने माता-पिता का सपना पूरा कर सकती है उन्हें बुलंदियों पर लेकर जा सकती हैं। छात्राओं से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि रास्ते से न भटकें, अपने शिक्षकों के बताए मार्ग पर चलें। अपनी एनर्जी को सही दिशा में लगाएं। मां अपने बच्चों की प्राथमिक शिक्षिका होती है बच्चों को संस्कारवान शिक्षा देना माता की जिम्मेदारी होती है । पवन जिंदल ने कहा कि भारत की संस्कृति बहुत श्रेष्ठ है। यह ऋषि मुनि और गुरुओं का देश है। उन्होंने कहा कि बच्चे की पहली गुरु मां होती है। उन्होंने कहा कि आज भौतिकवाद के युग में एकल परिवारों का क्रेज बढ़ रहा है, जिसकी वजह से समस्या भी उतनी ही बड़ी होती जा रही है। आज का बच्चा संस्कार विहीन होता जा रहा है। परिवार से संस्कार खत्म होते जा रहे हैं जो हमारी धरोहर थी। नैतिक शिक्षा गुरुओं से मिलती थी जो आज बिल्कुल खत्म हो रही है।

जिंदल ने कहा कि गुरु शिष्य परंपरा श्रेष्ठ परंपरा थी। मां और गुरु सबसे श्रेष्ठ होते थे। उन्होंने कहा कि अब इस परंपरा को फिर से लौटाना होगा। औरत हर युग में श्रेष्ठ रही है। जीवन में मां का रोल बहुत बड़ा होता है। बेटियां भारत का भविष्य है , देश निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी हमारी बेटियों पर है। सच्चाई, ईमानदारी, दृढ़ संकल्प से कोई भी काम किया जा सकता है। छात्रा कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा प्रकाशित वार्षिक गतिविधि पुस्तक का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर प्रो. शिवालिक यादव, प्रो. विजय नेहरा, प्रो. इप्शिता बंसल, प्रो. सुषमा जोशी, डॉ महेश कौशिक, डॉ कृतिका दहिया आदि मौजूद रहे।

पंजाब केसरी
FRI,12 SEPTEMBER 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 3

कभी भी बोझ नहीं होती, 2 घरों को संवारती हैं बेटियां : सुनीता ढुल

गोहाना, 11 सितम्बर (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में गुरुवार को छात्रा कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह द्वारा दीक्षारम्भ कार्यक्रम 2025 का आयोजन किया गया। अध्यक्षता विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने की। मुख्य अतिथि समाजसेवी पवन जिंदल और विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 से सम्मानित शिक्षिका सुनीता ढुल रहे।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए अतिथि। (अरोड़ा)

सुनीता ढुल ने कहा कि बेटियां कभी भी बोझ नहीं होती, बेटियां 2 घरों को संवारती हैं। उन्होंने बेटियों से आग्रह किया कि एकाग्रता के साथ लक्ष्य पर फोकस करके मेहनत करें, सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षक का दायित्व बहुत बड़ा होता है, केवल शिक्षा ही नहीं देनी अपितु बच्चों के अंदर छुपी प्रतिभा को पहचान करना और उसे निखारना शिक्षक का मूल दायित्व है।

सुनीता दल ने कहा कि छात्राएं अपने माता-पिता का सपना पूरा कर सकती है उन्हें बुलंदियों पर लेकर जा सकती हैं। छात्राओं से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि रास्ते से न भटकें, अपने शिक्षकों के बताए मार्ग पर चलें। अपनी एनर्जी को सही दिशा में लगाएं। मां अपने बच्चों की प्राथमिक शिक्षिका होती है बच्चों को संस्कारवान शिक्षा देना माता की जिम्मेदारी होती है ।

पवन जिंदल ने कहा कि भारत की संस्कृति बहुत श्रेष्ठ है। यह ऋषि मुनि और गुरुओं का देश है। उन्होंने कहा कि बच्चे की पहली गुरु मां होती है। उन्होंने कहा कि आज भौतिकवाद के युग में एकल परिवारों का क्रेज बढ़ रहा है, जिसकी वजह से समस्या भी उतनी ही बड़ी होती जा रही है। आज का बच्चा संस्कार विहीन होता जा रहा है। परिवार से संस्कार खत्म होते जा रहे हैं जो हमारी धरोहर थी। नैतिक शिक्षा गुरुओं से मिलती थी जो आज बिल्कुल खत्म हो रही है।

जिंदल ने कहा कि गुरु शिष्य परंपरा श्रेष्ठ परंपरा थी। मां और गुरु सबसे श्रेष्ठ होते थे। उन्होंने कहा कि अब इस परंपरा को फिर से लौटाना होगा। औरत हर युग में श्रेष्ठ रही है। जीवन में मां का रोल बहुत बड़ा होता है। बेटियां भारत का भविष्य हैं, देश निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी हमारी बेटियों पर है। सच्चाई, ईमानदारी, दृढ़ संकल्प से कोई भी काम किया जा सकता है।

छात्रा कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा प्रकाशित वार्षिक गतिविधि पुस्तक का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर प्रो. शिवालिक यादव, प्रो. विजय नेहरा, प्रो. इशिता बंसल, प्रो. सुषमा जोशी, डॉ. महेश कौशिक, डॉ. कृतिका दहिया आदि मौजूद रहे।

महिला विवि में दीक्षारम्भ कार्यक्रमः 2025 का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां में गुरुवार को दीक्षारम्भ कार्यक्रमः 2025 का आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने की जबकि संयोजन छात्रा कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह ने किया। मुख्य अतिथि समाजसेवी व व्यवसायी पवन जिंदल और विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कारः 2025 से सम्मानित शिक्षिका सुनीता ढुल रहीं। पवन जिंदल ने कहा कि भारत की संस्कृति बहुत श्रेष्ठ है। यह ऋषि मुनि और गुरुओं का देश है। भारत अपने सांस्कृतिक मूल्यों की महता के चलते पहले भी विश्व गुरु था।

अपनी सांस्कृतिक धरोहर को खो रहे देशवासी, हमें अपनी संस्कार पूरित सांस्कृतिक परम्पराओं को अपनाना होगा

भारत ऋषि मुनियों और गुरुओं का देश : पवन

आज देश के श्रेष्ठ नेतृत्व की वजह से फिर से भारत विश्व गुरु बनने की दिशा में अग्रसर है। पवन जिंदल ने कहा कि आज भौतिकवाद के युग में एकल परिवारों का क्रेज बढ़ रहा है, जिसकी वजह से समस्याएं भी उतनी ही बड़ी उत्पन्न हो रही हैं। आज का बच्चा संस्कार विहीन होता जा रहा है। परिवार से संस्कार खत्म होते जा रहे हैं जो हमारी धरोहर थी। नैतिक शिक्षा गुरुओं से मिलती थी जो आज खत्म हो रही है। गुरु शिष्य परंपरा श्रेष्ठ परंपरा थी। मां और गुरु सबसे श्रेष्ठ होते थे। अगर हमें फिर से भारत को विश्व गुरु बनाना है तो हमें फिर से अपनी संस्कारपूरित सांस्कृतिक परम्पराओं को अपनाना होगा। कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा प्रकाशित वार्षिक गतिविधि पुस्तक का भी विमोचन किया गया। मंच संचालन डॉ. महेश कौशिक ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सह छात्रा कल्याण अधिष्ठाता डॉ. कृतिका दहिया ने किया।

गोहाना। दीप प्रज्वलन कर दीक्षारम्भ कार्यक्रमः 2025 का शुभारम्भ करते पवन जिंदल व कुलपति प्रो. सुदेश।

विश्वविद्यालय तप और त्याग का जीवंत स्वरूपः प्रो. सुदेश

विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भगत फूल सिंह विवि कोई सामान्य विवि नहीं है अपितु यह तप, त्याग का जीवंत स्वरूप है। उन्होंने छात्राओं को आश्वस्त किया कि केवल विषय सम्बंधित शिक्षा ही नहीं अपितु संस्कारित व कौशल युक्त शिक्षा के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। मंच संचालन डॉ. महेश कौशिक ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सह छात्रा कल्याण अधिष्ठाता डॉ. कृतिका दहिया ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव, डीन ऐकडेमिक अफेयर्स प्रो. विजय नेहरा, प्रॉक्टर प्रो. इप्शिता बंसल व डायरेक्टर यूथ वेलफेयर अफेयर्स प्रो. सुषमा जोशी भी मौजूद रहे।

भौतिकवाद के युग में एकल परिवारों का क्रेज बढ़ा : जिंदल

महिला विश्वविद्यालय में दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते पवन जिंदल व कुलपति प्रो . सुदेश • सौ. प्रवक्ता

वि. गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में गुरुवार को दीक्षारंभ कार्यक्रम 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। मुख्य अतिथि समाजसेवी पवन जिंदल विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित सुनीता ढुल रहे। संयोजन छात्रा कल्याण अधिष्ठाता प्रो श्वेता सिंह ने किया।

मुख्य अतिथि पवन पवन जिंदल ने कहा कि भारत की संस्कृति बहुत श्रेष्ठ है। उन्होंने कहा कि आज भौतिकवाद के युग में एकल परिवारों का क्रेज बढ़ रहा है, जिसकी वजह से समस्या भी उतनी ही बड़ी होती जा रही है। सुनीता ढुल ने कहा कि बेटियां कभी भी बोझ नहीं होती, बेटियां दो घरों को संवारती हैं। उन्होंने बेटियों से आग्रह किया एकाग्रता के साथ लक्ष्य पर फोकस करके मेहनत करें, सफलता अवश्य मिलेगी। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा प्रकाशित वार्षिक गतिविधि पुस्तक का भी विमोचन किया गया। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

भारत ऋषि-मुनियों और गुरुओं का देश : पवन

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में वीरवार को दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि पवन जिंदल और विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका सुनीता ढुल रहीं।

पवन जिंदल ने कहा कि भारत की संस्कृति बहुत श्रेष्ठ है। यह ऋषि मुनि और गुरुओं का देश है। भारत अपने सांस्कृतिक मूल्यों की महता के चलते पहले भी विश्व गुरु था। आज देश के श्रेष्ठ नेतृत्व की वजह से फिर से भारत विश्व गुरु बनने की दिशा में अग्रसर है।

कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग की ओर से प्रकाशित वार्षिक गतिविधि पुस्तक का भी विमोचन किया गया। मंच संचालन डॉ. महेश कौशिक ने किया। संयोजन छात्रा कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह ने किया।

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भगत फूल सिंह विवि तप, त्याग का जीवंत स्वरूप है। धन्यवाद ज्ञापन सह छात्रा कल्याण अधिष्ठाता डॉ. कृतिका दहिया ने किया। कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव, प्रो. विजय नेहरा, प्रो. ईप्शिता बंसल, प्रो. सुषमा जोशी भी मौजूद रहे। संवाद

सोनीपत के खानपुर कलां स्थित महिला विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम के दौरान दीप जलाते मुख्य अतिथि पवन जिंदल व कुलपति प्रो. सुदेश। स्रोत: विवि

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय के दीक्षारम्भ कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि पहुँचे समाजसेवी व व्यवसायी पवन जिंदल

जन जागरण संदेश

खानपुर कलां / गोहाना, (अनिल जिंदल), 11 सितम्बर। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में आज छात्रा कल्याण अधिष्ठाता प्रो श्वेता सिंह ने दीक्षारम्भ कार्यक्रम 2025 का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुदेश ने की, जबकि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी व व्यवसायी श्री पवन जिंदल ने छात्राओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 से सम्मानित शिक्षिका श्रीमती सुनीता दुल ने शिरकत की। अपने संबोधन में पवन जिंदल ने कहा कि भारत की संस्कृति बहुत श्रेष्ठ है, यह ऋषि मुनि और गुरुओं का देश है। उन्होंने कहा कि बच्चे की पहली गुरु मां होती है। उन्होंने कहा कि भारत पहले भी विश्व गुरु था। आज देश के श्रेष्ठ नेतृत्व की वजह से फिर से भारत विश्व गुरु बनने की दिशा में अग्रसर है। श्री जिंदल ने

कहा कि आज भौतिकवाद के युग में एकल परिवारों का क्रेज बढ़ रहा है, जिसकी वजह से समस्या भी उतनी ही बड़ी होती जा रही है। आज का बच्चा संस्कार विहीन होता जा रहा है। परिवार से संस्कार खत्म होते जा रहे हैं जो हमारी धरोहर थी। नैतिक शिक्षा गुरुओं से मिलती थी जो आज बिल्कुल खत्म हो रही है। गुरु शिष्य परंपरा श्रेष्ठ परंपरा थी। मां और गुरु सबसे श्रेष्ठ होते थे। उन्होंने कहा कि आज इस परंपरा को फिर से उठाना होगा।,अगर भारत को विश्वगुरु बनाना है। पवन जिंदल ने कहा कि औरत हर युग में श्रेष्ठ रही है। जीवन में मां का रोल बहुत बड़ा होता है। बेटियां भारत का भविष्य है, देश निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी हमारी बेटियों पर है। सच्चाई, ईमानदारी, दृढ़ संकल्प से कोई भी काम किया जा सकता है। पवन जिंदल ने कहा कि विश्व का कल्याण और प्राणियों में सद्भावना की संस्कृति वाला देश भारत है, उन्होंने कहा कि विश्व की श्रेष्ठ युवा शक्ति का देश भारत है। छात्राओं को संबोधित करते हुए श्रीमती सुनीता दुल ने कहा कि बेटियां कभी भी बोझ नहीं होती, बेटियां दो घरों को संवारती हैं। उन्होंने बेटियों से आग्रह किया एकाग्रता के साथ लक्ष्य पर फोकस करके मेहनत करें सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षक का दायित्व बहुत बड़ा होता है, केवल शिक्षा ही नहीं देनी अपितु बच्चों के अंदर छुपी प्रतिभा को पहचान करना और उसे निखारना शिक्षक का मूल दायित्व है। सुनीता दल ने कहा कि छात्राएं अपने माता-पिता का सपना पूरा कर सकती है उन्हें बुलंदियों पर लेकर जा सकती हैं। छात्राओं से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि रास्ते से न भटके, अपने शिक्षकों के बताए मार्ग पर चलें। अपनी एनर्जी को सही दिशा में लगाएं। माँ अपने बच्चों की प्राथमिक शिक्षिका होती है बच्चों को संस्कारवान शिक्षा देना माता की जिम्मेदारी होती है उन्होंने खुद को मिले राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार को केवल सम्मान नहीं बल्कि प्रोत्साहन और उत्तरदायित्व माना। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रोफेसर सुदेश ने कहा कि यह कोई सामान्य विश्वविद्यालय नहीं है यह तप, त्याग का जीता जागता स्वरूप है। उन्होंने छात्राओं को आश्वस्त किया कि केवल विषय सम्बंधित शिक्षा ही नहीं अपितु संस्कारित व कौशल युक्त शिक्षा के लिए हम प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा प्रकाशित वार्षिक गतिविधि पुस्तक का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ महेश कौशिक ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सह छात्रा कल्याण अधिष्ठाता डॉ कृतिका दहिया ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो शिवालिक यादव, डीन ऐकडेमिक अफेयर्स प्रो विजय नेहरा , प्रॉक्टर प्रो इप्शिता बंसल व डायरेक्टर यूथ वेलफेयर अफेयर्स प्रो सुषमा जोशी भी मौजूद रहे।